

नरकपातमार्गात् PANKAT. 166, 19. इयं नृपो विप्रलुमार्गमास्थितः: *Weg* so v. a. *Mittel* KÂM. NITIS. 10, 41. पैगिन्या मत्वमार्गे इयं नास्माकं विषयः पुनः KATHÂS. 37, 191. वैराग्यमार्गेण vermittelst VARÂH. BÂH. S. 74, 5. Ueber die Bedeutung des Wortes मार्ग bei den Buddhisten s. Lot. de la b. I. 318. fgg. KÖPPEN 1, 222. 224. 398. fgg. 408. 436. HIOUEN-THSANG 1, 443. BURN. INTR. 291. — e) *Darmkanal*, *Aster* TRIK. 2, 6, 20; vgl. आकृतिः सरणमार्ग Spr. 2281, v.l. — f) *Art, Weise, Verfahrungsart, Art und Weise der Erscheinung* MAITRAUP. 6, 10. स्मृत्याचारव्यपेतेन मार्गेण JÄG. 2, 5. मार्गे इयमुचितः: Spr. 881. इति धैर्यस्य मार्गे इयं न तारुण्यस्य सङ्क्रितः KATHÂS. 27, 183. तथा मट्ययि मार्गे इस्य ज्ञातिसङ्क्रितः क्वा गच्छति 39, 108. पाशव वET. in LA. 20, 18. स किं मार्गे यस्मिन्ब भवति परानुप्रदृशः: *die rechte Weise* Spr. 2845. मैव नो ज्ञेयीरामार्गेण नृशंसवत् *auf eine unrechte Weise* MBH. 2, 2035. मछमार्गश्च द्रूषितः: *der gute Brauch* —, *die alte Sitte der Ringer* HARIV. 4710. युद्धं sg. und pl. *die verschiedenen Arten des Kampfes* KÂM. NITIS. 13, 41. MBH. 3, 16412. HARIV. 3737. sg. 5010. सर्वयुद्धेष्व मार्गज्ञः 10214. सर्वसंग्राममार्गज्ञ ebend. so v.a. *Manoeuvre*: कृत्वा धनुषिते मार्गावधर्यासु चासकृत्। जग्नपृष्ठे इश्वरपृष्ठे च नियुक्ते च MBH. 1, 5340. चरार् समरे मार्गान्वाणीः (u. चर् ३. falsch übersetzt) R. 3, 34, 4. स तेन (नित्यिंशेन) विचरन्मार्गान् (u. चर् mit वि 11. falsch übersetzt) HARIV. 11047 (S. 791). चरतस्त्सरुमार्गान्वश्च धर्मार्गान्वश्च शिक्षया MBH. 7, 3091. व्रसिमार्गान्विविधान्विचरेणः 3589. 1, 5341. रथमार्गान्विविचारास्ते विचरतः: (u. चर् mit वि 11. dieses und das folgende Beispiel unrichtig aufgefasst) 3, 12233 (ARG. 10, 37). मार्गान्वङ्गविधास्तत्र विचरेणः (क्या): 12110 (AA. 7, 8). तस्य लाघवमार्गस्थं चाप्त् 6, 2686. Vgl. इति प्रकारान्वान्विद्विचरत् HARIV. 11048 (S. 791). — g) *Rechtsfall*: अष्टादशमु मार्गेषु निबद्धानि (कार्याणि) M. 8, 3, 9, 230. — h) *Stil, Schreibart* KÂVJÂD. 1, 40. VERZ. d. OXF. H. 204, a, 16. 208, a, 32. काव्योऽन् SÂH. D. 18, 13. वाचो विचित्रमार्गाणाम् KÂVJÂD. 1, 9. — i) *edler Tanz* d. i. *Pantomime* DAÇAR. 1, 9. — k) *edler Gesang* (im Gegens. zum *vulgären*): गीते देह्य मार्गे देशी मार्गः स यो विरच्यायैः। श्राविष्टा भरतायैः शेभोर्ग्ये प्रयोक्तव्यः॥ VERZ. d. OXF. H. 200, a, No. 473. 200, b, No. 476. Inschr. in Journ. of the Am. OR. S. 7, 10, Cl. 37. — l) in der Dramat. *das Zeigen des Weges zu Etwas, Mittheilung wie Etwas zu Stande kommen oder sich ereignen soll* (तत्त्वार्थकीर्तन) DAÇAR. 1, 35. PRATÂPAR. 21, b, 7. 36, a, 1. — m) (*in geometry*) *a section* WILSON. — Vgl. इन्द्रं, उन्मार्ग, कर्मं, ज्ञानं, जलं, त्रिं, देवं, नन्त्रं, नरेन्द्रं (RAGH. 6, 67 = राजमार्ग), 2. निर्मार्ग, पुरुं, प्रतिमार्गम्, बङ्गमार्गी, बुद्धमार्ग, भक्तिमार्गनिदृपण, महामार्ग, मुद्रा०, पत्रं, राजं, लोकं, वि०, वृथा०.

मार्गक (von 2. मार्ग) m. *der Monat Mârgacîrsha* ÇABDAM. im ÇKDRL. — Vgl. प्रति०.

मार्गेण (von 1. मार्ग 1) nom. ag. *verlangend, fordernd*: मार्गेण: (Pfeile) तत्तमार्गेण: MBH. 6, 5561. *ein Bettelnder, Bettler* AK. 3, 1, 49. H. 388. an. 3, 219. MED. n. 71. — 2) m. a) *Pfeil* AK. 2, 8, 2, 55. H. 778. H. an. MED. HALAJ. 2, 314. MBH. 4, 1703. 5, 2087. 7215. 6, 5561. R. 3, 25, 5, 6, 63, 21. 67, 33. 68, 22. 70, 31. 77, 14. RAGH. 9, 22. 65. ed. Calc. 3, 58. SPR. 2297. स० adj. MBH. 3, 8486. 10963. HARIV. 12831. समार्गेणागुणां धनुः MBH. 3, 16208. — b) *Bez. der Zahl fünf* (wegen der *fünf Pfeile* des Liebesgottes) SÜRJAS. 1, 30. — 3) n. a) *das Suchen* AK. 3, 3, 30. H. an. MED.

पुण्यस्नाकस्य MBH. 3, 2726. sg. HARIV. 10314. R. GOB. 1, 4, 77. 78. मानुष्ये कदलीस्तम्भनिःसारे सारमार्गाम्। यः करोति SPR. 4712. मत्स्यमार्गाणशील Comm. zu TBR. 3, 4, 1, 12. कार्यं *das Suchen* —, *das Ausfor-schen einer Sache* DAÇAR. 1, 46. — b) *das Bitten, Betteln* H. an. MED. auch मार्गेणa f. H. c. 94. मार्गेण n. = प्रणाप गताद्ब. im ÇKDRL. *affection, affectionate solicitation or inquiry* WILSON; प्रणाप wird auch als Synonym von पात्रा aufgeführt. — Vgl. सृण०, नष्ट०.

मार्गेणक (von मार्गेण) m. *ein Bittender, Bettler* HALAJ. 2, 204.

मार्गेणाता (wie eben) f. *das Pfeilstein*: ऋतं गतः *zum Pfeil geworden* VIKR. 144.

मार्गेणप्रिया (मा० + प्रि०) f. N. pr. einer Tochter der Prâdhâ MBH. 1, 2353.

मार्गतेराण (2. मार्ग + ते०) *ein über einen Weg errichteter Ehrenbo-gen* RAGH. 11, 6.

मार्गदायनी (2. मार्ग + दा०) f. *die aus dem Wege Gehende*, N. der Dâkshâjant in Kedâra Verz. d. OXF. H. 39, b, 1.

मार्गद्रुम (2. मार्ग + द्रुम) m. *ein am Wege stehender Baum* KATHÂS. 106, 2.

मार्गधनु (2. मार्ग + धनु) m. (nach ÇKDRL und WILSON) *ein Joâana (urspr. wohl Bez. des eine Kuh darstellenden Meilensteins)* HÂR. 197. ÇABDAM. im ÇKDRL. ऋनुक n. dass. TRIK. 2, 1, 17.

मार्गप (2. मार्ग + २. य) m. *Wegemeister, Bez. eines best. Amtes* 4te RÂGA-TAB. 37. 110. 135. — Vgl. मार्गेण und ऋधृप, ऋधृपति, ऋधृपिप, ऋधृश in den Nachträgen.

मार्गपति m. dass. 4te RÂGA-TAB. 43. 86. 144. महा० 92.

मार्गपत्र (2. मार्ग + पत्र) m. *Bahn*: सूर्य० R. 3, 61, 9.

मार्गपत्ती (2. मार्ग + पा०) f. *Hüterin der Wege*, Bez. einer best. Götter PÂDMA-P., UTTARAKH., KÄRTTIKAM. 124 im ÇKDRL.

मार्गवन्धन (2. मार्ग + व०) n. *das Versperren des Weges* KÂM. NITIS. 18, 62.

मार्गमिष्ठि m. N. pr. eines Sohnes des Viçvâmitra MBH. 13, 236. मार्गमिष्ठि ed. BOMB.

मार्गमित्र m. patron. PRAYARÂDHJ. in Verz. d. B. H. 37, 6 (pl.).

मार्गपत्र (?) m. patron.; pl. SÂMSK. K. 183, a, 1.

मार्गरक्षक (2. मार्ग + र०) m. *Wegehüter* R. 2, 82, 19. ऋक्षक ed. BOMB.

मार्गराधिन् (2. मार्ग + रो०) adj. *den Weg versperrend* KATHÂS. 46, 199.

मार्गव m. *eine best. Mischlingskaste*: निषदो मार्गवं सूते दाशं नैकर्मजीविनम्। कैवर्तमिति यं प्राङ्गर्यावर्तनिवासिनः॥ M. 10, 34. — Vgl. मार्गार्, 2. मार्दव.

मार्गवटी (2. मार्ग + व०) f. *Bez. einer Schutzgöttin auf Reisen* Verz. d. OXF. H. 18, b, N. 9.

मार्गवशानुग (2. मार्ग + वश + श०) adj. f. शा *dem Wege entlang gehend, am Wege liegend*: पश्यन्वनानि चित्राणि पर्वतांशाधसंभिनाम्। सरांसि सरितशैव पथि मार्गवशानुगः॥ R. 3, 16, 2.

मार्गवशायात (2. मार्ग - वश + शा०) adj. dass.: प्राप स च क्रमात्। म-द्ये मार्गवशायातं नगरं पैण्डवर्धनम् VID. 186. Man streiche demnach den Artikel म-द्ये मार्गवशायात्.

मार्गविषय m. patron. oder metron. eines Râma Ait. Br. 7, 27.

मार्गशाखिन् (2. मार्ग + शा०) m. *ein am Wege stehender Baum* RAGH. 1, 45.

मार्गशिर m. *der Monat Mârgacîrsha* ÇABDAM. im ÇKDRL. VARÂH.